>

Title: Regarding communal violence in Kishtwar, Jammu and Kashmir.

योगी आदित्यनाथ : अध्यक्ष महोदया, जम्मू-कश्मीर राज्य के किश्तवाड़ में पिछले दिनों में जो कुछ घटित हो रहा है, उसे देश के लिए शुभ नहीं माना जा सकता।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आपको भी बुलाएंगे। कृपया शांत हो जाएं।

योगी आदित्यनाथ : महोदया, एक बार पुनः जम्मू-कश्मीर को 1990 के दशक में झोंकने का प्रयास किया जा रहा है...(व्यवधान) जब जम्मू-कश्मीर में अल्पसंख्यक हिंदुओं को असुरक्षा के माहौल में वहां से पलायन करने को मजबूर होना पड़ा था। लगातार वहां की स्थिति को सत्ता के संरक्षण में बिगाड़ा जा रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाएं, इन्हें बोलने दीजिए।

योगी आदित्यनाथ : वहां चुन-चुनकर हिन्दू धर्म स्थलों को और अल्पसंख्यक हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले वहां पर महत्वपूर्ण अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं पर हमला हो चुका है। ...(व्यवधान) लगातार वहां पर हिन्दुओं की दुकानों को निशाना बनाया गया, उनके घरों को निशाना बनाया गया, हिन्दू नौजवानों को निशाना बनाया गया। लगातार एक साज़िश के तहत परम्परा के विरुद्ध उस स्थल पर जहां पर कभी भी कोई धार्मिक कृत्य नहीं होता था, वहां नमाज पढ़कर गलत परम्परा की शुरूआत करके जुलूस की शक्ल में आए उन लोगों द्वारा न केवल भारत विरोधी नारे लगाए गए, अपितु भारत विरोधी तत्वों के पोस्टर लहराए गए। ...(व्यवधान) यह घटना तब वहां पर होती है, जब वहां के गृह राज्य मंत्री किश्तवाड़ में मौजूद रहते हैं। वहां का जिलाधिकारी, एस.पी. और पुलिस बल मौन बना रहता है। लगातार जम्मू-कश्मीर की स्थिति को पुनः उस दिशा में ले जाने का प्रयास हो रहा है, जहां पर 1990 के दशक के प्रारम्भिक दिनों में था। ...(व्यवधान) जब बड़ी मात्रा में वहां के अल्पसंख्यक हिन्दू और सिखों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा था। बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ क्षेत्र में यह घटना पहली बार नहीं हुई, अचानक नहीं हुई। एक माह पहले भी अमरनाथ यात्रा पर वहां हमला हुआ।...(व्यवधान) महोदया, अमरनाथ यात्रा में जा रहे यात्रियों पर हमला किया गया, उसके बाद भी वहां की सरकार नहीं चेती। हिन्दुओं की दुकानों को निशाना बनाया गया, तब भी सरकार नहीं चेती। वहां पर हिन्दुओं के घरों को निशाना बनाया गया, तब भी सरकार नहीं चेती। जिस दिन किश्तवाड़ में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, एक हिन्दू नौजवान की सरेआम हत्या कर दी जाती है, तब भी वहां की सरकार मौन बनी रही। वहां के गृह राज्य मंत्री वहां मौजूद थे, वहां के जिलाधिकारी मौजूद थे, वहां के एस.पी. मौजूद थे और वहां की पुलिस भी मौजूद थी, लेकिन सब मौन बने रहते हैं।...(व्यवधान)

11.09 hrs

At this stage, Shri Sansuma Khunggur Bwiswmuthiary came

and stood on the floor near the Table.

...(व्यवधान)

लेकिन इन सब घटनाओं को रोकने के बजाए लगातार भारत विरोधी और राष्ट्र विरोधी नारा लगाने वाले तत्वों को वहां की पुलिस और वहां की सत्ता का संरक्षण प्राप्त हो रहा था। मैं आपके माध्यम से सरकार से इस तथ्य की मांग करता हूं कि जम्मू-कश्मीर की स्थिति को जो लोग बिगाड़ना चाहते हैं, जो लोग भारत विरोधी तत्वों को वहां पर प्रस्तुत करके भारत के खिलाफ एक नया आतंकवाद तैयार करके जम्मू-कश्मीर को उसमें झोंकना चाहते हैं, सरकार को उसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। हम सरकार से यह भी मांग करना चाहेंगे कि केवल जो न्यायिक जांच की बात हुई है, वहां पर संसद के सभी दलों का एक संसदीय दल वहां भेजा जाना चाहिए, जो वहां जाकर स्थिति को देखे। सिर्फ न्यायिक जांच की बात खानापूर्ति के लिए की जा रही है। वहां पर चुन-चुनकर अल्पसंख्यक हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है। लगातार उन्हें निशाना बनाकर सरकार और पुलिस मौन बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर को पुनः 1990 के दशक की स्थिति में ले जाने का प्रयास किया जा रहा है, जब वहां से अल्पसंख्यक हिन्दुओं और सिखों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा था।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करूंगा कि किश्तवाड़ की घटना के लिए संसद से एक सर्वदलीय शिष्टमंडल किश्तवाड़ का दौरा करे और वहां की स्थिति से संसद को अवगत कराए और जो भी उस घटना के लिए दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। ...(व्यवधान) अगर आप वहां की घटना को हल्केपन से लेंगे तो यह आग केवल किश्तवाड़ तक नहीं रहेगी क्योंकि इसे आसपास के क्षेत्रों में फैलाने का प्रयास हो रहा है। जिस प्रकार से कश्मीर घाटी के बाद अब जम्मू और उसके आस-पास के क्षेत्रों को निशाना बनाया जा रहा है, धार्मिक यात्राओं को बैन किया जा रहा है उससे वहां अलगाववाद और उग्रवाद को बढ़ावा मिल रहा है, इसे समय रहते रोकने की आवश्यकता है। अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करूंगा कि वह इसे गंभीरता से ले। अराजकता फैलाने और भारत विरोधी तत्वों को प्रश्रय देने या फिर उग्रवाद और आतंकवाद का समर्थन करने वाले तत्वों को सख्ती के साथ कुचला जाना चाहिए और यही मांग मैं आपके माध्यम से सरकार से करना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI KAMAL NATH): I will ask the Home Minister to make a statement in this regard. ...(*Interruptions*)

11.11 hrs

At this stage, Shri Sansuma Khunggur Bwiswmuthiary went back to his seat.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

श्री राजेन्द्र अग्रवाल को योगी आदित्यनाथ के विषय के साथ सम्बद्ध किया जाता है।

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): स्पीकर महोदया, मुझे इस बात से कष्ट हुआ है और मैं आपको सुनाना चाहता हूं। ...(व्यवधान) मैडम, ये इस चीज के ठेकेदार नहीं हैं, मैं इनसे बेहतर जानता हूं। ...(व्यवधान) मैडम, यह बहुत ही अनफर्चुनेट सीन वहां बना है और यह दुर्भाग्यिपूर्ण बात है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हमारी स्टेट आगे ही तीस वर्ष टर्मोइल में रही और वहां लोग कहते थे कि हमें कुछ और नहीं पीस चाहिए, शांति चाहिए। बड़ी मुश्किल से वहां शांति आई और हमारी कम्युनल हार्मोनी, हमारे सेक्युलरिज्म को खत्म करने की यह एक ग्रेट साजिश है। यह जो पॉलटिक्स की जा रही है, इसकी वहां कोई जरुरत नहीं है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री लालू प्रसाद - उपस्थित नहीं।

चौधरी लाल सिंह : मैडम, हम जानते हैं कि वहां की सिचुएशन इन लोगों ने खराब की है। एक तरफ एंटी-नेशनल फोर्सेज और दूसरी तरफ ये लोग हैं जो वहां की सिचुएशन को बर्बाद कर रहे हैं,...(व्यवधान) मैं इस बात को अच्छी तरह से जानता हूं। मैंने वहां के हालात जो खराब हुए हैं, उन्हें नजदीक से देखा है। मैं कहना चाहता हूं कि आप लोग ज्यादा फुर्ती मत दिखलाओ, हम लोग आपसे ज्यादा जानते हैं। हम लोगों से ज्यादा आज वहां कोई दुखी नहीं है, हमारे सेक्युलरिज्म को वहां ब्रेक किया गया है, शांति को ब्रेक किया गया है और इन्हीं लोगों ने किया है, इनकी साजिश है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग क्यों खड़े हो गये हैं, आप बैठ जाइये। भूरिया जी, आप बैठ जाइये।

श्री कांति लाल भूरिया (रतलाम): आप लोग उसकी बात तो सुनें। ...(व्यवधान)

चौधरी लाल सिंह : हम इनकी साजिश को वहां चलने नहीं देंगे। यह जो चाहते हैं हम उसे होने नहीं देंगे। कल कह रहे थे कि वह भूत बना...(व्यवधान) हमने कहा कि हम तो उसे चूहा समझते हैं...(व्यवधान) मैडम, मेरी विनती है कि जिनका नुकसान हुआ है उन्हें एक्चुअल पैसे दिये जाएं। उनके लिए दो लाख का कम्पनसेशन ठीक नहीं है, उन्हें एक्चुअल कम्पनसेशन मिलना चाहिए। वहां दोनों तरफ से गरीब लोगों का नुकसान हुआ है और इस साजिश में ये लोग इन्वोल्व हैं। मैं यही कहना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री लालू प्रसाद।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदया, मैं बोलना चाहता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री लालू प्रसाद सदन में उपस्थित नहीं हैं।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदया, नोटिस में मेरे भी हस्ताक्षर हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, आप जल्दी अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदया, बिहार में नवादा और बेतिया पश्चिमी चम्पारण में कर्फ्यू लगा है।...(व्यवधान) वहां माइनोरिटी के लोग मारे जा रहे हैं, उनकी दुकानें लूटी जा रही हैं।...(व्यवधान) सरकार के नियंत्रण में विधि व्यवस्था नहीं है। वहां अन्याय फैल गया है, इसलिए भारत सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वहां पैरामिलिटरी फौज को भेजा जाए।...(व्यवधान)

11.16hrs

At this stage, Shri Dinesh Chandra Yadav and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

...(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : जो माइनोरिटी के लोग मारे जा रहे हैं, लूटे जा रहे हैं और वहां की सरकार विफल है तथा वहां विधि व्यवस्था चौपट हो गई है। वहां दंगा फैलने से रोकने के लिए भारत सरकार कार्यवाही करे।...(व्यवधान) यहां गृह मंत्री रिपोर्ट ले कर वक्तव्य दें और सदन को इस बारे में पता चले तथा इस बारे में बहस चलाई जाए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप लोग वापिस चले जाइए।

â€¦(व्यवधान)

11.17 hrs

At this stage, Shri Dinesh Chandra Yadav and some other hon. Members went back to their seats.

अध्यक्ष महोदया : अब आप लोग भी अपनी सीट पर चले जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : वे लोग अपने स्थानों पर चले गए हैं, अब आप भी अपनी जगह पर चले जाइए।

â€¦(व्यवधान)